CBCS

बी.ए. ½प्रोग्राम½ हिंदी

HSEC (B.A. Prog.) (Any 2)

हिंदी : कौशल-संवर्द्धक पाठ्यक्रम (कोई 2)

सेमेस्टर-3

3.2 (क) रचनात्मक लेखन

इकाई-1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ

जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाललेखन-प्रौढ़लेखन, मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक आदि।

इकाई-2 : रचनात्मक लेखन : आधार और विश्लेषण

अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि।

भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक

भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष।

रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएँ

इकाई- 3 : विविधे विधेाओं की आधेारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अधेयन

(क) कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

(ख) कथा साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श

(ग) नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

(घ) विविध गद्य-विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोतार्ज आदि

(ड.) बालसाहित्य की आधारभूत संरचना

इकाई-4 : सूचना-तंत्र के लिए लेखन

प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा आदि।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

सहायक ग्रंथ :

- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम – रघुवंश
- शैली – रामचंद्र मिश्र
- रचनात्मक लेखन – संपा. रमेश गौतम
- कला की जरूरत – अन्र्स्ट फिशर; अनु. रमेश उपाध्याय
- साहित्य का सौंदर्यचिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- सृजनशीलता और सोंदर्यबोध – निशा अग्रवाल
- कविता-रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल
- समकालीन कविता में छंद – अज्ञेय
- कविता से साक्षात्कार – मलयज
- कविता क्या है – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- एक कवि की नोटबुक – राजेश जोशी
- हिंदी साहित्य का छंद-विवेचन – गौरीशंकर मिश्र द्विजेंद्र
- अलंकार-धारणा : विकास और विश्लेषण – शोभाकांत मिश्र

- उपन्यास की संरचना – गोपाल राय
- उपन्यास सृजन की समस्याएँ –शमशेर सिंह नरूला
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर
- पत्रकारी लेखन के आयाम – मनोहर प्रभाकर
- सर्जक का मन – नंदकिशोर आचार्य
- शब्द-शक्ति विवेचन – रामलखन शुक्ल
- राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन –एच.आर.एफ. कीटिंग

अथवा

(ख) भाषा शिक्षण

इकाई-1 : भाषा-शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण : अभिप्राय तथा उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण, प्रशिक्षण, अर्जन और अधिगम

इकाई-2 : भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ – जे.एस. ब्रूनर, वाईगोत्स्की, हिलगार्ड, पियाजे

- प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

इकाई-3 : हिंदी शिक्षण

- भाषा कौशल – सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण (स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा)
- द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण
- विदेशी भाषा के रूप में भारत तथा विदेशों में हिंदी भाषा शिक्षण

इकाई-4 : भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

सहायक ग्रंथ

- भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा-शिक्षण के कुछ पक्ष – संपा. अमर बहादुर सिंह

- भाषा-शिक्षण तथा भाषाविज्ञान – संपा. ब्रजेश्वर वर्मा
- हिंदी शिक्षण : अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य – संपा. सतीश कुमार रोहरा, सूरजभान सिंह
- हिंदी भाषा-शिक्षण – भोलानाथ तिवारी
- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – संपा. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्ण कुमार गोस्वामी
- Focus Group Papers on Teaching of Indian Languages : NCERT, 2005

अथवा

(ग) कार्यालयी हिंदी

इकाई-1 : कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

- अभिप्राय तथा उद्देश्य
- कार्यालयी हिंदी का क्षेत्र
- सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर
- कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएँ

इकाई-2 : कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम तथा अनुभाग के नाम
- मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन, निर्देश आदि
- औपचारिक पदावलियाँ/अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार की जाएगी)

इकाई-3 : कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

- सामान्य परिचय
- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि)
- रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
- आवेदन-लेखन

इकाई-4 : टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण

- टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा शैली
- प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि
- संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि
- उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

<u>सहायक ग्रंथ</u>

- प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
- प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय
- प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी
- प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे

4.3 (क) भाषायी दक्षता

इकाई-1 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्त्व
- श्रवण और वाचन
- पठन और लेखन

इकाई-2 : भाषायी दक्षता की निर्माण-प्रक्रिया

- भाषिक संरचना की समझ और विकास
- भाषा-व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)
- भाषिक क्षमता को प्रभावित करने वाले तत्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

इकाई-3 : भाषायी दक्षता के प्रायोगिक पक्ष

- भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन, लक्ष्य-निर्धारण, नियोजन के स्तर पर
- शब्द-सामर्थ्य – सामान्य एवं तकनीकी शब्द
- सुनना और बोलना – प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप
- पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य-केन्द्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

इकाई-4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

- किसी एक विषय पर – भाषण, वार्तालाप या टिप्पणी, समूह चर्चा
- किसी एक विषय का भाव-विस्तार या पल्लवन
- द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित
- समीक्षा – पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा

सहायक ग्रंथ :

- भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावसायिक हिंदी – दिलीप सिंह
- प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे
- आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अनुज तिवारी
- व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश
- व्यावहारिक का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जबरीमल्ल पारख

- जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी

अथवा

विज्ञापन और हिंदी भाषा

इकाई-1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

- विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा
- विज्ञापन का महत्त्व
- विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण
- विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

इकाई-2 : विज्ञापन : विविध माध्यम

- सामान्य परिचय
- विज्ञापन माध्यम का चयन
- प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविज़न के लिए कॉपी लेखन

इकाई-3 : विज्ञापन की भाषा

- विज्ञापन की भाषा का स्वरूप
- विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर)
- हिंदी विज्ञापनों की भाषा

इकाई-4 : विज्ञापन-निर्माण का अभ्यास

- प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण
- रेडियो जिंगल लेखन
- टेलीविज़न के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण

सहायक ग्रंथ

- जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ

- जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी
- डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
- ब्रेक के बाद – सुधीश पचौरी
- मीडिया की भाषा – वसुधा गाडगिल
- विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा
- विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी
- संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य-बोध – कृष्ण कुमार रत्तू

वेबलिंक

- www.adbrands.net
- www.afaqs.com
- www.adgully.com
- www.cnbc.com
- www.exchange4media.com

अथवा

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा

इकाई-1 : कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

- कम्प्यूटर का परिचय और विकास
- कम्प्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास
- हिंदी के विविध फॉन्ट
- कम्प्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

इकाई-2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- इंटरनेट पर हिंदी
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा
- हिंदी और वेब डिजाइनिंग
- हिंदी की वेबसाइट्स

इकाई-3 : हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस

- राजभाषा हिंदी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका
- ई-गवर्नेंस, इंटरनेट
- हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग
- सरकारी और गै़र-सरकारी संस्थाएँ

इकाई-4 : हिंदी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ
- एसएमएस की हिंदी
- न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
- हिंदी के विभिन्न की बोर्ड

सहायक ग्रंथ

- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
- कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन
- हिंदी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल

- कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा-सिद्धांत – पी.के. शर्मा
- मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज – संपा. संजय द्विवेदी
- सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद – संपा. संजय द्विवेदी
- नए ज़माने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल
- पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
- जनसंचार के सामजिक संदर्भ – जबरीमल्ल पारख